शिक्षक - रवि शंकर राय, विषय- अर्थशास्त्र
दिनांक - 02-07-2020, 12:00pm, वर्ग - B.A - I

National Income: concept and Measurement

Objective

सामाजिक लेखांकन में किसे चुना जाता है?—
GNP, NNP, NI अथवा PI कोई भी जो उद्देश्य की शर्ति करता है।

33. स्एमन कुजनेट्स के अनुसार, राष्ट्रीय आय मापने की कितने विधियां हैं — तीन।

34. राष्ट्रीय आय के आकलन में दोहरी गणना का उदाहरण है? — कपड़ा उद्योग द्वारा बिजली का उपयोग।

35. शुद्ध राष्ट्रीय उत्पाद है → (NNP)
सकल राष्ट्रीय उत्पाद − घिसावट व्यय

36. मध्यवर्तीय वस्तुएँ GNP में शामिल नहीं की जाती हैं क्योंकि उनसे दोहरेपन की समस्या उत्पन्न होती है।

37. $\frac{\text{वास्तविक आय}}{\text{जनसंख्या}}$ = प्रतिव्यक्ति वास्तविक आय

38. "राष्ट्रीय लाभांशों तथा आय में केवल अंतिम उपभोक्ताओं द्वारा प्राप्त सेवाएं सम्मिलित होती हैं। चाहे वह भौतिक या मानवीय वातावरण से प्राप्त हो। इस प्रकार एक पियानो या ओवरकोट जो मेरे लिए इस वर्ष बनाया गया है, इस वर्ष के आय का भाग नहीं है। वरन पूंजी में वृद्धि है। केवल इन वस्तुओं द्वारा मेरे लिए इस वर्ष की गयी सेवाएँ ही आय है।" यह परिभाषा किसकी है — फिशर।

39. राष्ट्रीय आय की गणना एक वर्ष के अवधि के लिए किया जाता है।

40. किसी विकासशील अर्थव्यवस्था में राष्ट्रीय आय के अनुमान में अर्थशास्त्रियों को सामना करना पड़ता है → अवधारणा तथा सांख्यिकीय दोनों समस्याओं का।

41. राष्ट्रीय आय की गणना होती है → प्रचलित एवं स्थिर दोनों कीमतों पर।

42. राष्ट्रीय आय मापने की सर्वोत्तम विधि है — उत्पाद + व्यय विधि।

43. स्थिर कीमतों पर राष्ट्रीय आय किस प्रकार प्रकट की जा सकती है —
$\frac{\text{चालू कीमतों पर राष्ट्रीय आय}}{\text{चालू वर्ष की कीमत सूचकांक}} \times 100$

राष्ट्रीय आय में दोहरी गणना का परिहार किया जाता है → सकल राष्ट्रीय उत्पाद की माप के लिए वर्धित मूल्य विधि का उपयोग करके।

45. राष्ट्रीय सकल राष्ट्रीय आय की गणना में सम्मिलित किया जाएगा → 1. कम्पनी द्वारा लाभांश का भुगतान।
2. कम्पनी द्वारा बनाई गई पूंजी का निर्गम।

46. यदि बजार मूल्य पर राष्ट्रीय आय में सहायकियां जोड़ दिया जाय और अप्रत्यक्ष कर घटा दिया जाय तो वह ~~राशि~~ राशि बराबर होगी — साधन कीमतों के राष्ट्रीय आय के।

47. यदि सकल निवेश शून्य हो जाय तो कौन राष्ट्रीय आय को शून्य होने से रोकता है — उपभोग।

48. सकल राष्ट्रीय उत्पाद के आकलन की विधि है →
① उत्पाद प्रत्यागम ② मूल्य वर्धित प्रत्यागम ③ आय प्रत्यागम

Note:- वित्तीय प्रत्यागम सकल राष्ट्रीय उत्पादन आकलन की विधि नहीं है।

49. राष्ट्रीय आय का सामान्य रूप से अर्थ है — साधन लागत पर सकल राष्ट्रीय उत्पाद

50. NDP को प्राप्त करने के लिए GDP में किसको घटाया जाता है → मूल्यह्रास।

51. राष्ट्रीय ऋण पर देय ब्याज सम्मिलित होता है — व्यक्तिगत आय में

52. द्विक्षेत्रीय प्रारूप में आय का चक्रीय प्रवाह प्रतिशत करता है — → घरेलू तथा व्यापारिक क्षेत्रों के बीच बहाव।

53. वास्तविक राष्ट्रीय आय में वृद्धि होती है जबकी → अर्थव्यवस्था में कुल उत्पादन बढ़ जाता है।

54. एक काल्पनिक अर्थव्यवस्था के लिए
शुद्ध राष्ट्रीय उत्पाद = 10,000 करोड़ रु
अप्रत्यक्ष कर = 1500 करोड़ रुपय
सब्सिडी = 800 करोड़ रु, तो राष्ट्रीय आय का मान होगा 9300 करोड़ रु। [1000 − 1500 + 800]

55. अवकाश पेंशन राष्ट्रीय आय में सम्मिलित नहीं किया जाता है।

56. राष्ट्रीय आय के आंकड़े होते हैं — अनुमान।

57. औसत जीवन स्तर में परिवर्तनों की माप की जाती है — वास्तविक प्रति व्यक्ति आय से।

यदि PY व्यक्तिगत आय, CS निगमों की बचतें हैं, CT निगमों पर कर हैं, DT परिवार द्वारा चुकाया गया कर हैं। M राज्य को अन्य भुगतान हैं, तब व्यक्तिगत उपभोग योग्य आय होगी
→ PY − CS − CT − DT − M

59. सारमन कुजनेट्स को राष्ट्रीय आय की परिभाषा मिलती है → इरविंग फिशर से।

60. "राष्ट्रीय आय में केवल उन्हीं वस्तुओं और सेवाओं को सम्मिलित किया जाता है जिन्हें मुद्रा से मापा जा सकता है। यह परिभाषा किसकी है — पीगू।

61. आकार में सबसे बड़ा किसको माना जायगा → सकल राष्ट्रीय उत्पाद

62. राष्ट्रीय आय तथा मौद्रिक कल्याण के परस्पर संबंध की व्याख्या सर्वप्रथम किसने किया — पीगू।

63. सामाजिक लेखाविधि किसने प्रतिपादित किया → मार्शल।

64. PI > DPI से।

65. पेंशन को राष्ट्रीय आय में सम्मिलित नहीं किया जाता है।

66. कौन समीकरण सही है —
① NNP = GNP − घिसावट ⑪ GNP = NNP + घिसावट

67. मूल्य ह्रास की गणना की जाती है — केवल पूंजीगत समान के लिए।

68. जब मौद्रिक सकल उत्पाद 1100 रु० है और वास्तविक सकल राष्ट्रीय उत्पाद 1000 रु० तो सकल राष्ट्रीय उत्पाद अवस्फीति (deflator) है → 1.11 /

69. उपभोग + बचत = उपभोग व्यक्तिक आय के।

70. प्रतिव्यक्ति आय बढ़ती है जब → G.N.P, जनसंख्या की तुलना में अधिक गति से बढ़ती है।

71. दोहरी गणना का प्रभाव है → राष्ट्रीय उत्पादन के विषय में भ्रामिक निष्कर्ष निकालना।

72. * घरेलू नौकर को दिया गया भुगतान, हस्तांतरित भुगतान नहीं है।
* बच्चों को दिया जाने वाला जेब खर्च, सार्वजनिक ऋण पर ब्याज, एक गृहणी को दिया गया भुगतान, हस्तांतरित भुगतान है।

73. सार्वजनिक ऋणपर ब्याज NI का अंश नहीं है परन्तु PI में सम्मिलित है।

आय गणना के आधार पर सकल राष्ट्रीय उत्पाद की गणना करने में सम्मिलित नही हैं → कर।

75. हस्तांतरण भुगतान "राष्ट्रीय आय" मे सम्मिलित नही होते है क्योंकि – जिनको हस्तांतरण भुगतान मिलता हैं उनका वर्तमान उत्पादन में कोई योगदान नही होता है।

76. उत्पादन विधि से राष्ट्रीय आय की गणना करने मे मध्यवर्ती वस्तु की मूल्य सम्मिलित नही है।

77. राष्ट्रीय आय, NNP से परोक्ष व्यापार कर के बराबर कम होती है।

78. व्यक्तिगत आय प्राप्त करने के लिए राष्ट्रीय आय मे से, सार्वजनिक ऋण पर ब्याज को नही घटाया जाता है।

79. अन्तरण भुगतानो को उन भुगतानो के लिए प्रयोग किया जाता जो किए जाते है – वस्तु और सेवाओं के बीना की विनिमय के

80. राष्ट्रीय आय बजार कीमतो पर किस कारण बढ़ती हैं – × सबसीडी के

81. 1. एक अर्थव्यवस्था में जहाँ उत्पादन क्षमताए बढ़ रही हैं। सकल निजी घरेलू निवेश मूल्यह्रास से अधिक होता है।
2. सार्वजनिक ऋण पर ब्याज राष्ट्रीय आय मे नही जोड़ा जाता हैं परन्तु वह व्यक्तिगत आय में जुड़ता है।
3. नए गृहकार्य, GNP मे, विनियोग के एक हिस्से के रूप मे सम्मिलित होता है।

82. राष्ट्रीय आय की समाजिक संगणना। संबंधित है → कौन, क्या, कहा, कितना और कैसे उत्पादन कर रहा हैं तथा कौन, क्या व कितना उपभोग कर रहा हैं?

83. आय विधि द्वारा राष्ट्रीय आय की गणना करते समय पेंशन को सम्मिलित नही किया जाता है।

84. Y = C + I (जहाँ Y = राष्ट्रीय आय, C = उपभोग, I = निवेश), C और I राष्ट्रीय आय के महत्वपूर्ण निर्धारक हैं।

85. राष्ट्रीय आय के आकलन में अन्तरण आय को सम्मिलित नही किया जाता है। अंतरण आय उत्पादन सेवाओं के लिए भुगतान नही हैं।

86. प्रति व्यक्ति आय के आंकड़े, देशो की क्रमवार श्रेणीकरण के लिए वास्तविक कल्याण के सन्दर्भ मे कमजोर उपकरण हैं। निर्धन देशो मे राष्ट्रीय आय का एक अच्छा हिस्सा उल्लिखित नही होता हैं।